रविवार, 02 अगस्त, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

बॉक्सर जादुमणि सिंह ने भी भारत को एक और मेडल दिलाया

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

पाकिस्तान में भी रणबीर-यश और VFX की हो रही तारीफ

Page-05

जंतर-मंतर से लद्दाख लौटे सोनम वांगचुक बोले- हर बात को राजनीति से न जोड़ें

दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के समर्थन में प्रदर्शन करने के बाद सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक अब अपने गांव लेह-लद्दाख लौट गए हैं। लद्दाख की वापसी के दौरान उन्होंने वंदे भारत एक्सप्रेस में सफर किया और भारतीय रेल की इस सेवा की तारीफ की। हालांकि, उनके इस बयान को लेकर सोशल मीडिया पर राजनीतिक बहस शुरू हो गई। वांगचुक ने अपने गांव पहुंचने के बाद वीडियो संदेश जारी कर आलोचकों को जवाब दिया और कहा कि किसी सुविधा या व्यवस्था की तारीफ को राजनीति के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए।सोनम वांगचुक ने कहा कि उन्होंने वंदे भारत एक्सप्रेस में सफर के दौरान जो अनुभव किया, उसके आधार पर उसकी तारीफ की है। उन्होंने उन लोगों को नसीहत दी, जो उनकी इस तारीफ को केंद्र सरकार के समर्थन या किसी राजनीतिक रुख से जोड़कर देख रहे हैं। वांगचुक का कहना है कि किसी अच्छी चीज की सराहना करना अलग विषय है और सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना अलग।लद्दाख पहुंचने के बाद जारी अपने वीडियो संदेश में वांगचुक ने छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी मांगें भी दोहराईं। उन्होंने केंद्र सरकार से उन लिखित वादों को पूरा करने की मांग की, जिनके आधार पर आंदोलन और अनशन खत्म कराया गया था। उनका कहना है कि सरकार को छात्रों और प्रदर्शनकारियों से किए गए आश्वासनों को गंभीरता से लेते हुए उन्हें लागू करना चाहिए।वांगचुक ने छात्रों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा कि प्रदर्शन करने वाले युवाओं पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। उनके मुताबिक, छात्रों की समस्याओं को सुनकर बातचीत के जरिए समाधान निकालना जरूरी है। उन्होंने कहा कि युवाओं की आवाज को दबाने के बजाय उनकी चिंताओं को समझने की कोशिश की जानी चाहिए।

नरेंद्र मोदी ने किया विवेका स्मारक' का उद्घाटन

बोले- राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे अहम

- पीएम मोदी ने मैसूरु में स्वामी विवेकानंद के जीवन और विचारों को समर्पित 'विवेका स्मारक' का उद्घाटन किया और मैसूरु से विवेकानंद के करीब 130 साल पुराने संबंध को याद किया।
- पीएम मोदी ने युवाओं को भारत की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए शिक्षा, समान अवसर, खेल, स्टार्टअप, डिजिटल तकनीक और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में उनकी भूमिका को राष्ट्र निर्माण के लिए महत्वपूर्ण बताया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक के मैसूरु में स्वामी विवेकानंद के जीवन, संदेश और आदर्शों को समर्पित 'स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र- विवेका स्मारक' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने मैसूरु को भारत की शाश्वत सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण केंद्र बताते हुए कहा कि शहर ने अपनी समृद्ध परंपरा को आज भी संजोकर रखा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के जीवन और विचारों से मैसूरु का करीब 130 वर्ष पुराना गहरा संबंध रहा है।पीएम मोदी ने कहा कि किसी व्यक्ति का महान विभूति बनना अचानक नहीं होता। इसके लिए वर्षों की साधना, तपस्या और कठिन परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति प्रसिद्ध हो जाता है तो दुनिया उसके पीछे खड़ी होती है, लेकिन तपस्या के दौर में किसी महान व्यक्तित्व को पहचानना आसान नहीं होता। प्रधानमंत्री ने बताया कि करीब 130 वर्ष पहले स्वामी विवेकानंद एक युवा संन्यासी के रूप में मैसूरु आए थे। उस समय उनकी प्रसिद्धि ज्यादा नहीं थी, लेकिन उनके विचार बेहद ऊंचे थे। मैसूरु के तत्कालीन महाराजा ने उनके व्यक्तित्व और विचारों को पहचाना और उनका सहयोग किया।प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारतीय चेतना और शास्त्रों को आत्मसात किया था। उनका संदेश था कि वही वास्तव में जीता है, जो दूसरों के लिए जीता है। उन्होंने रामकृष्ण मिशन और आश्रम की सेवा परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और आपदा राहत जैसे क्षेत्रों में सेवा कार्यों के जरिए स्वामी विवेकानंद की विरासत को आगे बढ़ाया जा रहा है। पीएम मोदी ने उम्मीद जताई कि विवेका स्मारक साधकों और श्रद्धालुओं के लिए आत्मिक उत्थान का केंद्र बनेगा।पीएम मोदी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं को राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति मानते थे। आज भारत का युवा गुलामी के दौर की बेड़ियों से निकलकर दुनिया के विकास को गति दे रहा है। उन्होंने भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम, डिजिटल तकनीक, मोबाइल निर्माण और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में युवाओं की भूमिका को रेखांकित किया।प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद शिक्षा के साथ समान अवसर और सामाजिक समानता को भी महत्वपूर्ण मानते थे। आज शिक्षा और अवसरों में भेदभाव खत्म करना देश के विकास का अहम लक्ष्य है। उन्होंने युवाओं के स्वस्थ, अनुशासित और आत्मविश्वासी होने को जरूरी बताते हुए खेलों को राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। पीएम ने कहा कि विवेका स्मारक ऐसे युवाओं को तैयार करने का केंद्र बने, जिनके लिए राष्ट्रहित, सेवा और वंचितों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता हासिल हो।

CWG 2026 में भारत का धमाल प्रीति और जैस्मिन का गोल्डन डबल

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। बॉक्सिंग में प्रीति पवार और जैस्मिन लम्बोरिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए भारत की झोली में लगातार दो गोल्ड मेडल डाले। प्रीति ने महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग के फाइनल में कनाडा की स्कारलेट डेलगाडो को सर्वसम्मत फैसले से हराकर स्वर्ण पदक जीता। मुकाबले में वह शुरुआत से ही नियंत्रण में नजर आईं और अपनी सटीक पंचिंग, संयम और रणनीति से प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाए रखा। यह कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का बॉक्सिंग में पहला गोल्ड मेडल भी रहा।प्रीति की जीत के कुछ ही समय बाद जैस्मिन लम्बोरिया ने महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में भारत के लिए दूसरा गोल्ड हासिल कर शानदार 'गोल्डन डबल' पूरा कर दिया। फाइनल में उनका सामना नॉर्दर्न आयरलैंड की माइकेला वॉल्श से हुआ। जैस्मिन ने पूरे मुकाबले में प्रभावी प्रदर्शन करते हुए 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन का खिताब भी अपने नाम कर लिया।बॉक्सिंग के अलावा एथलेटिक्स में भी भारत को बड़ी सफलता मिली। पुरुषों की ट्रिपल जंप स्पर्धा में प्रवीण चित्रवेल ने 16.58 मीटर की छलांग लगाकर सिल्वर मेडल जीता, जबकि सेल्वा प्रभु थिरुमारन ने 16.52 मीटर के प्रदर्शन के साथ ब्रॉन्ज अपने नाम किया। इस तरह भारत ने इस स्पर्धा में डबल पोडियम फिनिश हासिल की। चित्रवेल ने प्रतियोगिता के दौरान लगातार अपने प्रदर्शन में सुधार किया और चौथे प्रयास में पदक पक्का करने वाली छलांग लगाई। वहीं थिरुमारन ने भी अपने प्रदर्शन को बेहतर करते हुए निर्णायक प्रयास में 16.52 मीटर की दूरी तय की।

राहुल गांधी का PM मोदी पर हमला

बोले- छात्रों को माफी नहीं, सरकार से जवाब चाहिए

NEET परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने छात्रों के विरोध प्रदर्शन को लेकर प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि सरकार छात्रों और उनके परिवारों की पीड़ा को समझने में नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि इस पूरे विवाद में असली मुद्दा प्रदर्शनकारियों का व्यवहार नहीं, बल्कि वह शिक्षा व्यवस्था है, जिस पर हजारों छात्रों का भविष्य निर्भर है।राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट कर कहा कि पेपर लीक, परीक्षाओं के रद्द होने और वर्षों की मेहनत बर्बाद होने से छात्रों और उनके परिवारों पर गहरा असर पड़ा है। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि छात्रों से ईमानदारी और मेहनत की उम्मीद की जाती है, लेकिन अगर व्यवस्था ही भ्रष्टाचार और अनियमितताओं से प्रभावित हो तो युवाओं का भरोसा कैसे कायम रहेगा।राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री से सवाल किया कि क्या उन्होंने उन परिवारों से मुलाकात की है, जिन्होंने अपने बच्चों को खोया है या उन छात्रों और परिवारों से बात की है, जिनकी बचत, समय, मेहनत और भविष्य पर परीक्षा विवाद का असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि छात्रों को प्रधानमंत्री की 'माफी' की जरूरत नहीं है, बल्कि सरकार को छात्रों से जवाबदेही और माफी मांगनी चाहिए।राहुल गांधी की यह प्रतिक्रिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस वीडियो संदेश के एक दिन बाद आई, जिसमें उन्होंने NEET से जुड़े विरोध प्रदर्शनों के दौरान उनके और उनकी दिवंगत मां के खिलाफ कथित आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल पर चिंता जताई थी। प्रधानमंत्री ने कहा था कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान उनके खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया गया और उनकी दिवंगत मां को लेकर भी बेहद खराब भाषा का इस्तेमाल हुआ। प्रधानमंत्री ने प्रदर्शनकारियों के गुस्से को समझने की बात कहते हुए समाज से संयम और सहानुभूति के साथ प्रतिक्रिया देने की अपील की। उन्होंने प्रदर्शन कर रहे युवाओं को 'हमारे बच्चे' बताते हुए कहा कि उन्हें सजा देने के बजाय सही रास्ता दिखाने और माफ करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री के मुताबिक, युवाओं को उनकी गलतियों से सीखने का अवसर दिया जाना चाहिए और उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित करने या कानूनी कार्रवाई में उलझाने के बजाय समाज को उन्हें मुख्यधारा में वापस लाने की कोशिश करनी चाहिए। अब राहुल गांधी के जवाब के बाद NEET विवाद ने एक बार फिर राजनीतिक रंग ले लिया है।

'रामायण' के ट्रेलर ने मचाई धूम

फिल्ममेकर नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' का ट्रेलर 30 जुलाई को रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया। भारतीय दर्शकों के बीच इस पौराणिक गाथा को लेकर पहले से ही जबरदस्त उत्साह था, लेकिन ट्रेलर सामने आने के बाद पाकिस्तान के कंटेंट क्रिएटर्स और यूट्यूबर्स के रिएक्शन भी चर्चा का विषय बन गए हैं। कई पाकिस्तानी क्रिएटर्स ने फिल्म के भव्य निर्माण, VFX, एक्शन और कलाकारों की स्क्रीन प्रेजेंस की जमकर तारीफ की है।पाकिस्तानी कंटेंट क्रिएटर माविया उमर फारूकी ने इंस्टाग्राम पर ट्रेलर को लेकर अपनी प्रतिक्रिया साझा की। उन्होंने फिल्म के कथित बड़े बजट और निर्माण के पैमाने पर हैरानी जताई। माविया ने कहा कि एक पाकिस्तानी दर्शक के तौर पर भी ट्रेलर देखकर वह काफी उत्साहित हो गए हैं। उन्होंने फिल्म के विजुअल इफेक्ट्स को हॉलीवुड स्तर का बताया और रणबीर कपूर के राम तथा यश के रावण वाले किरदार की एंट्री की तारीफ की। हालांकि, फिल्म के बजट को लेकर सोशल मीडिया पर अलग-अलग आंकड़े सामने आए और कुछ यूजर्स ने माविया के दावे को लेकर उन्हें सुधारा।

ब्रॉड पीक पर हादसा:

निर्मल पुर्जा समेत पर्वतारोहियों की मौत

पाकिस्तान की काराकोरम पर्वतमाला में स्थित दुनिया की 12वीं सबसे ऊंची चोटी ब्रॉड पीक पर हुए भीषण हिमस्खलन ने पर्वतारोहण जगत को गहरे शोक में डाल दिया है। 8,051 मीटर ऊंची इस चोटी पर अभियान के दौरान मशहूर नेपाली-ब्रिटिश पर्वतारोही निर्मल पुर्जा, जिन्हें 'निम्स दाई' के नाम से भी जाना जाता है, और उनकी टीम के कई सदस्यों की जान चली गई। इस हादसे पर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेनद्र शाह ने गहरा दुख जताते हुए दिवंगत पर्वतारोहियों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी है।प्रधानमंत्री शाह ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में कहा कि पर्वतारोहण केवल किसी चोटी तक पहुंचने की यात्रा नहीं है, बल्कि यह साहस, अनुशासन, त्याग और अटूट आत्मविश्वास की परीक्षा भी है। उन्होंने कहा कि पहाड़ कभी पर्वतारोहियों को शिखर पर पहुंचने का गौरव देते हैं, तो कभी उन्हें हमेशा के लिए अपनी गोद में समा लेते हैं। हालांकि, ऐसे पर्वतारोहियों का साहस और समर्पण हमेशा इतिहास में जीवित रहता है।निर्मल पुर्जा को दुनिया के सबसे चर्चित पर्वतारोहियों में गिना जाता है। वह ब्रॉड पीक पर बिना अतिरिक्त ऑक्सीजन के चढ़ाई के अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। उनके साथ अलग-अलग देशों के पर्वतारोहियों की टीम भी मौजूद थी। इस अभियान में नेपाल के किली पेम्बा शेरपा, निमा शेरपा, ग्यालु शेरपा, नवांग थिंडु शेरपा और पुर बहादुर गुरुंग समेत अन्य पर्वतारोही शामिल थे। टीम में पाकिस्तान, चीन, ओमान और अमेरिका के पर्वतारोही भी थे।ब्रॉड पीक पर अचानक आए हिमस्खलन और बर्फीले तूफान ने अभियान को तबाही में बदल दिया। हादसे में निर्मल पुर्जा के अलावा उनके गाइड और साथी पुर बहादुर गुरुंग तथा निमा शेरपा की भी मौत हुई। पुर्जा की कंपनी 'एलीट एक्सपेड' ने सोशल मीडिया के जरिए हादसे की पुष्टि करते हुए इस नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त किया।प्रधानमंत्री बालेन शाह ने कहा कि दिवंगत पर्वतारोहियों की शारीरिक यात्रा भले ही समाप्त हो गई हो, लेकिन उनका साहस, उपलब्धियां और पर्वतारोहण के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि निर्मल पुर्जा और उनकी टीम ने वैश्विक पर्वतारोहण में महत्वपूर्ण योगदान दिया और उनकी विरासत लंबे समय तक याद की जाएगी।

ईरान की अरब देशों को कड़ी चेतावनी अमेरिका से सैन्य रिश्तों पर पुनर्विचार की अपील

मेजर जनरल अब्दुल्लाही ने दावा किया कि अमेरिकी सैन्य क्षमता पहले की तुलना में कमजोर हुई है और अब अमेरिका अपनी सैन्य ताकत की सुरक्षा के लिए क्षेत्र के संपन्न देशों के संसाधनों और बुनियादी ढांचे का इस्तेमाल कर रहा है। उनके मुताबिक, क्षेत्र के देशों की संपत्ति, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और रणनीतिक संसाधनों को अमेरिकी सैन्य मौजूदगी के लिए सुरक्षा कवच की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है।

पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका और उसके क्षेत्रीय सहयोगियों को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। ईरान की शीर्ष संयुक्त सैन्य कमान 'खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर' के प्रमुख मेजर जनरल अली अब्दुल्लाही ने पड़ोसी मुस्लिम और अरब देशों को अमेरिका के साथ अपने सैन्य एवं रणनीतिक संबंधों पर दोबारा विचार करने की चेतावनी दी है। ईरानी राष्ट्रीय प्रसारक IRIB की ओर से जारी बयान में उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका पूरे पश्चिम एशिया को एक व्यापक और विनाशकारी युद्ध की तरफ धकेल रहा है।मेजर जनरल अब्दुल्लाही ने दावा किया कि अमेरिकी सैन्य क्षमता पहले की तुलना में कमजोर हुई है और अब अमेरिका अपनी सैन्य ताकत की सुरक्षा के लिए क्षेत्र के संपन्न देशों के संसाधनों और बुनियादी ढांचे का इस्तेमाल कर रहा है। उनके मुताबिक, क्षेत्र के देशों की संपत्ति, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और रणनीतिक संसाधनों को अमेरिकी सैन्य मौजूदगी के लिए सुरक्षा कवच की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है।ईरानी कमांडर ने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिका लगातार इजराइल की सैन्य और सुरक्षा क्षमता को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन क्षेत्र में अपना प्रभाव और दबदबा बनाए रखने के लिए तनाव को बढ़ावा दे रहा है। अब्दुल्लाही के अनुसार, हाल के संघर्षों से यह स्पष्ट हुआ है कि अमेरिका अपने रणनीतिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मुस्लिम देशों के हितों और संसाधनों को नुकसान पहुंचाने से पीछे नहीं हटता।अब्दुल्लाही ने अमेरिका और इजराइल पर क्षेत्रीय देशों की सीमाओं और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने के बहाने तलाशने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ऐसी सैन्य गतिविधियों का खामियाजा संबंधित देशों की सरकारों और आम लोगों को आर्थिक तथा सामाजिक स्तर पर उठाना पड़ता है। ईरानी सैन्य कमांडर ने दावा किया कि पश्चिम एशिया में शक्ति संतुलन अब पुराने नियमों या अमेरिकी दबाव से निर्धारित नहीं होता।ईरान का कहना है कि उसकी सैन्य क्षमता और सहयोगी ताकतों ने अमेरिकी आक्रामक नीतियों का सामना किया है। इसी आधार पर अब्दुल्लाही ने क्षेत्रीय देशों से दूरदर्शिता के साथ अपनी विदेश और सुरक्षा नीतियों की समीक्षा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मुस्लिम देशों को अमेरिका की सैन्य गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए और उसके साथ सहयोग एवं रणनीतिक रिश्तों पर गंभीरता से पुनर्विचार करना चाहिए।ईरानी कमांडर ने अंत में क्षेत्रीय देशों को बेहद कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि जो देश अमेरिका के लिए सुरक्षा कवच बनने की कोशिश करेंगे, वे खुद भी संभावित युद्ध के गंभीर परिणामों से बच नहीं पाएंगे। इस बयान से पश्चिम एशिया में पहले से जारी तनाव के बीच ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते टकराव की आशंका और गहरी होती दिखाई दे रही है।

नेपाल के मशहूर पर्वतारोही निर्मल पुर्जा की मौत

नेपाल के मशहूर पर्वतारोही निर्मल पुर्जा की मौत की पुष्टि हो गई है। वह पाकिस्तान की काराकोरम रेंज में ब्रॉड पीक पर आए जबरदस्त बर्फीले तूफान (एवलांच) की चपेट में आने के बाद लापता हो गए थे। रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद उनकी मौत की पुष्टि एलीट एक्सपेड ने की है। पुर्जा इसी एक्सपेडिशन कंपनी से जुड़े थे। बर्फीले तूफान के बाद उनके लापता होने के एक दिन बाद यह जानकारी सामने आई। पुर्जा ने पर्वतारोहण में कई रिकॉर्ड अपने नाम किए थे। 43 साल के पुर्जा ब्रॉड पीक पर चढ़ाई के लिए एक अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। गुरुवार दोपहर बर्फीले तूफान की चपेट में आ गए। इसके बाद टीम के सभी 10 सदस्यों से संपर्क टूट गया। इस अभियान में नेपाल के छह और पाकिस्तान, ओमान, अमेरिका और चीन का एक-एक पर्वतारोही शामिल था। बर्फीले तूफान के बाद पाकिस्तान अल्पाइन क्लब ने पहाड़ पर हेलीकॉप्टर भेजे थे। पुर्जा ना सिर्फ नेपाल बल्कि दुनिया के सबसे मशहूर पर्वतारोहियों में से थे। 2019 में दुनिया की 8,000 मीटर से ऊंची सभी 14 चोटियों पर सिर्फ छह महीने से कुछ ज्यादा समय में चढ़ाई करने से उन्हें दुनियाभर में पहचान मिली। इस कारनामे ने दक्षिण कोरियाई पर्वतारोही किम चांग-हो का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने यह चुनौती सात साल में पूरी की थी। पुर्जा के रिकॉर्ड तोड़ने वाले अभियान को बाद में नेटफ्लिक्स की डॉक्यूमेंट्री '14 पीक्स: नथिंग इज़ इम्पॉसिबल' में दिखाया गया। पेशेवर पर्वतारोही बनने से पहले, पुर्जा ने 16 साल ब्रिटिश सेना में बिताए।

अजीत डोभाल को शनिवार को पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया

प्रधानमंत्री मोदी के कथित अपमान पर गहरा दुख व्यक्त किया

आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने हाल ही में जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई व्यक्तिगत टिप्पणियों पर गहरा दुख जताया।1 अगस्त को भोगपुरम में अल्लूरी सीताराम राजू इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए, कल्याण ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व का बचाव किया और स्थिर शासन को विकास से जोड़ा। उन्होंने माता-पिता से अपील की कि वे युवा पीढ़ी में संस्कार, अनुशासन और देशभक्ति की भावना पैदा करें। प्रधानमंत्री की आलोचना पर बात करते हुए कल्याण ने कहा कि हम जितनी ज़्यादा कोशिश करते हैं, उतनी ही ज़्यादा आलोचना झेलते हैं। उन्होंने कहावत का ज़िक्र किया कि पत्थर उसी पेड़ पर मारे जाते हैं जिस पर फल लगे हों। राजनीति में आने के बाद खुद भी आलोचनाओं के आदी हो चुके कल्याण ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पर होने वाले तीखे व्यक्तिगत हमलों को देखकर उन्हें दुख होता है। बिना किसी का नाम लिए, कल्याण ने जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान मोदी के खिलाफ की गई टिप्पणियों का ज़िक्र किया और सवाल उठाया कि देश की सेवा करने वाले नेता को ऐसा बर्ताव क्यों सहना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार भारत का नेतृत्व कर रहे हैं। बहुत से

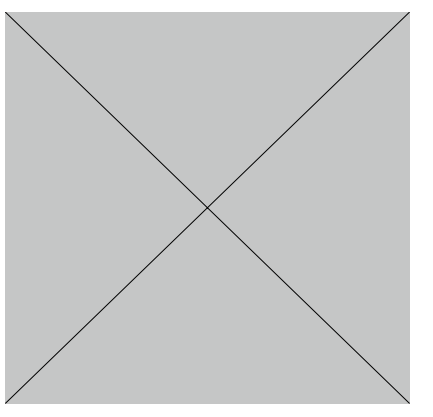

लोगों ने उनके बारे में कठोर बातें कही हैं। यह सुनकर मेरी आँखों में आँसू आ गए। क्या हम उन्हें यही देते हैं जिन्होंने अपना जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया है? उन्होंने युवा पीढ़ी से प्रधानमंत्री के नेतृत्व के पीछे किए गए त्याग को समझने का आग्रह किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि पद संभालने के बाद से मोदी ने एक दिन की भी छुट्टी नहीं ली है और वे लगातार बाहरी और आंतरिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। कल्याण ने कहा कि नई पीढ़ी को उन मुश्किलों के बारे में नहीं पता जिनसे वे गुज़रे हैं। उन्होंने मज़बूती से अपना समर्थन ज़ाहिर करते हुए कहा कि अगर कोई आपके ख़िलाफ़ बोलता है, तो मानो वह हमारे ख़िलाफ़ बोल रहा है।हम मज़बूती से आपके साथ खड़े हैं।

राजधानी कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से हमले

रूस द्वारा शनिवार की रात यूक्रेन की राजधानी कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से जबरदस्त हमले किए गए। इन हमलों से कीव में कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 22 आम नागरिक घायल हो गए हैं। शहर के सोलोमियांस्की जिले में मलबे के गिरने से पांच मंजिला रिहायशी इमारत को नुकसान पहुंचा और उसमें आग लग गई। यूक्रेन की सरकारी आपातकालीन सेवा के अनुसार, बचाव कर्मियों ने इमारत की ऊपरी मंजिलों से 35 लोगों को बाहर निकाला। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई और दो बच्चों समेत आठ लोग घायल हो गए। आपातकालीन सेवाओं ने बताया कि कीव के डार्निट्स्की जिले में हमले के कारण आग लगने और घरों, गाड़ियों, एक प्रशासनिक और एक गैर-रिहायशी इमारत को नुकसान पहुंचने से सात लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। इसके अलावा, आपातकालीन कर्मियों ने राजधानी के शेवचेंकिव्स्की जिले में एक गैर-रिहायशी इमारत में लगी आग को बुझाया। जिले के मेयर की शुरुआती रिपोर्टों के बारे में कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं मिली कि लोग किसी दूसरी रिहायशी इमारत में फंसे हुए थे। शहर के दो अन्य जिलों में भी कमर्शियल और रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचने की खबर है। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रूस के मिसाइल हमलों का मुकाबला करने के लिए और अधिक पैट्रियट एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम की जरूरत पर अमेरिका और अन्य पश्चिमी सहयोगियों पर जोर दिया है। यूक्रेनी नेता ने शुक्रवार देर रात कहा कि उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से बात की और इस हफ़्ते की शुरुआत में वाशिंगटन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई बैठक पर चर्चा की, जिसे जेलेंस्की ने "सकारात्मक और उत्पादक" बताया।

WSJ की सनसनीखेज रिपोर्ट,ईरान पर हमला करने का निर्देश

वॉल स्ट्रीट जर्नल' में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सेना को इसी वीकेंड ईरान पर नया हमला करने का निर्देश दिया है। अखबार ने नाम न बताने की शर्त पर अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा कि इस प्रस्तावित सैन्य कार्रवाई का मकसद तेहरान को घुटने टेकने पर मजबूर करना है। यह घटनाक्रम राष्ट्रपति ट्रंप के उन बयानों के बाद सामने आया है जिनमें उन्होंने तेहरान के साथ चल रही कूटनीतिक बातचीत को लेकर अनिश्चितता जताई थी। साथ ही, उन्होंने जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर हुए हमले के बाद कड़ी सैन्य जवाबी कार्रवाई की चेतावनी भी दोहराई थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को मैरीलैंड में कैंप डेविड प्रेसिडेंशियल रिट्रीट में कैबिनेट की बैठक के दौरान कहा, "हम उन पर बहुत ज़ोरदार हमला करेंगे और आगे कहा और किसी न किसी मोड़ पर वे कहेंगे कि अब वे इसे और बर्दाश्त नहीं कर सकते।इसके अलावा, CBS ने रिपोर्ट दी कि वॉशिंगटन ईरान की एनर्जी सुविधाओं, जैसे कि बिजली घरों और पेट्रोलियम रिफाइनरियों पर संभावित हमलों

पर विचार कर रहा है। मानवाधिकार और वकालत करने वाले संगठनों ने कहा है कि आम नागरिकों के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए जानबूझकर हमले युद्ध अपराध की श्रेणी में आ सकते हैं। CBS की रिपोर्ट के बाद, शुक्रवार दोपहर पोस्ट-सेटलमेंट ट्रेडिंग के दौरान वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (WTI) क्रूड की कीमतें 86 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गईं। इन रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देते हुए, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा ईरान को तब तक कीमत चुकानी होगी जब तक वे उस तरीके से बातचीत की मेज पर नहीं आते जिसे राष्ट्रपति ट्रंप सार्थक मानते हैं।राष्ट्रपति ट्रंप ने अपना रुख बदलने से पहले कई बार बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी है, लेकिन जारी संघर्षों ने अमेरिकी सैन्य भंडार को काफी कम कर दिया है, खासकर उन अहम एयर डिफेंस इंटरसेप्टर्स को जिनका इस्तेमाल सैन्य ठिकानों की सुरक्षा के लिए किया जाता है। यह संघर्ष, जो 28 फरवरी को अमेरिका और इज़राइल के संयुक्त सैन्य हमलों के बाद शुरू हुआ था, पूरे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अस्थिरता का कारण बना है।

संपादक की कलम से

पश्चिम एशिया एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां सैन्य तनाव किसी बड़े क्षेत्रीय संघर्ष में बदलने का खतरा लगातार बढ़ रहा है। ईरान की ओर से अरब और मुस्लिम देशों को अमेरिका के साथ अपने सैन्य एवं रणनीतिक संबंधों पर पुनर्विचार करने की चेतावनी इसी बढ़ते तनाव का संकेत है। ईरानी सैन्य कमांडर का बयान केवल अमेरिका के खिलाफ एक राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र में बदलते शक्ति समीकरणों की ओर भी इशारा करता है।ईरान लंबे समय से अमेरिका की पश्चिम एशिया नीति और इजराइल के समर्थन का विरोध करता रहा है। दूसरी ओर, अमेरिका अपने सहयोगियों की सुरक्षा को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए जरूरी बताता है। इस टकराव के बीच खाड़ी देशों की स्थिति बेहद संवेदनशील है। इन देशों के अमेरिका के साथ सुरक्षा और आर्थिक रिश्ते हैं, लेकिन किसी बड़े युद्ध की स्थिति में उनके सैन्य ठिकाने, ऊर्जा प्रतिष्ठान और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे भी जोखिम में आ सकते हैं। इसलिए ईरान की चेतावनी को केवल बयानबाजी मानकर नजरअंदाज करना भी उचित नहीं होगा।हालांकि, समस्या का समाधान धमकियों और जवाबी धमकियों में नहीं है। यदि हर पक्ष अपनी सैन्य शक्ति के प्रदर्शन को ही रणनीतिक सफलता मानता रहा, तो क्षेत्र में अस्थिरता और बढ़ेगी। पश्चिम एशिया पहले ही लंबे समय से युद्ध, विस्थापन, आर्थिक संकट और मानवीय त्रासदियों का सामना कर रहा है। किसी नए व्यापक संघर्ष का सबसे बड़ा नुकसान आम नागरिकों को ही उठाना पड़ेगा।अमेरिका, ईरान और उनके सहयोगी देशों को यह समझना होगा कि सैन्य दबाव से स्थायी शांति हासिल नहीं की जा सकती। क्षेत्रीय देशों को अपनी सुरक्षा चिंताओं के साथ-साथ संप्रभुता और आर्थिक हितों की भी रक्षा करनी होगी। इसके लिए संवाद, कूटनीति और भरोसा कायम करने की कोशिश जरूरी है।खाड़ी देशों के सामने भी कठिन संतुलन की चुनौती है। उन्हें किसी एक शक्ति के दबाव में आने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर स्वतंत्र विदेश नीति अपनानी होगी। साथ ही, क्षेत्रीय देशों के बीच संवाद का ऐसा तंत्र विकसित होना चाहिए, जिसमें विवादों को सैन्य टकराव से पहले बातचीत के जरिए सुलझाने की कोशिश की जाए।पश्चिम एशिया में शांति केवल इस क्षेत्र के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री व्यापार और वैश्विक बाजार इस क्षेत्र की स्थिरता से सीधे जुड़े हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है कि वह किसी नए युद्ध को रोकने के लिए सक्रिय कूटनीतिक प्रयास करे।ईरान की चेतावनी को युद्ध की शुरुआत का संकेत बनाने के बजाय बातचीत की जरूरत समझना चाहिए। आज पश्चिम एशिया को हथियारों की नई दौड़ नहीं, बल्कि भरोसे और संवाद की नई शुरुआत चाहिए। यही रास्ता क्षेत्र को एक और विनाशकारी युद्ध से बचा सकता है।

जनगणना 2027: बंगाल में 1 अगस्त से शुरू होगा सेल्फ-एन्यूमरेशन डिजिटल तरीके से जुटेगा डेटा

अब तक 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह चरण पूरा किया जा चुका है। इनमें उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना, ओडिशा, पंजाब, हरियाणा, झारखंड, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड समेत कई अन्य राज्य और केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं। तमिलनाडु और त्रिपुरा में भी पहले चरण के तहत सेल्फ-एन्यूमरेशन की सुविधा शुरू होने के साथ जनगणना की प्रक्रिया आगे बढ़ी है।

पश्चिम बंगाल में जनगणना 2027 की तैयारियां तेज हो गई हैं। शनिवार को राज्य में जनगणना प्रक्रिया के तहत 'सेल्फ-एन्यूमरेशन' यानी लोगों द्वारा खुद अपनी जानकारी दर्ज करने की सुविधा शुरू करने की घोषणा की गई। इसके तहत नागरिक जनगणना की वेबसाइट पर जाकर अपने परिवार और घर से जुड़ी जरूरी जानकारियां स्वयं दर्ज कर सकेंगे। पश्चिम बंगाल में यह सुविधा 1 अगस्त से 15 अगस्त तक उपलब्ध रहेगी।प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि भारत के जनगणना प्राधिकरण की ओर से जारी दिशा-निर्देशों और आदेशों को लागू करना राज्य सरकार का कर्तव्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सेल्फ-एन्यूमरेशन केवल पश्चिम बंगाल तक सीमित प्रक्रिया नहीं है, बल्कि पूरे देश में जनगणना 2027 के तहत इसे अपनाया जा रहा है। यह प्रक्रिया देश की संवैधानिक जिम्मेदारी का हिस्सा है और इसके लिए निर्धारित नियमों का पालन किया जा रहा है।जनगणना 2027 के पहले चरण में हाउसलिस्टिंग और हाउसिंग सेंसस की प्रक्रिया कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पूरी हो चुकी है। अब तक 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह चरण पूरा किया जा चुका है। इनमें उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना, ओडिशा, पंजाब, हरियाणा, झारखंड, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड समेत कई अन्य राज्य और केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं। तमिलनाडु और त्रिपुरा में भी पहले चरण के तहत सेल्फ-एन्यूमरेशन की सुविधा शुरू होने के साथ जनगणना की प्रक्रिया आगे बढ़ी है।हाउसलिस्टिंग और हाउसिंग सेंसस के दौरान घर की स्थिति, परिवार के सदस्यों, उपलब्ध सुविधाओं, आवासीय संसाधनों और संपत्ति से संबंधित जानकारी एक निर्धारित प्रश्नावली के माध्यम से जुटाई जा रही है। इस चरण में कुल 33 अधिसूचित सवालों के आधार पर डेटा एकत्र किया जा रहा है।गृह मंत्रालय के अनुसार, जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत जुटाई जाने वाली सभी जानकारियां पूरी तरह गोपनीय रखी जाएंगी। इनका इस्तेमाल सांख्यिकीय विश्लेषण और विकास योजनाओं को तैयार करने के लिए किया जाएगा।खास बात यह है कि जनगणना 2027 देश की पहली ऐसी जनगणना होगी, जिसमें बड़े पैमाने पर डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। घर-घर जाकर पारंपरिक तरीके से जानकारी जुटाने की प्रक्रिया जारी रहेगी, लेकिन डेटा संग्रह के लिए विशेष मोबाइल एप्लिकेशन का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे जनगणना के आंकड़ों को डिजिटल तरीके से दर्ज करने और प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी।

राम मंदिर चंदा मामले पर पप्पू यादव का अनोखा प्रदर्शन धार्मिक भावनाएं आहत करने की शिकायत

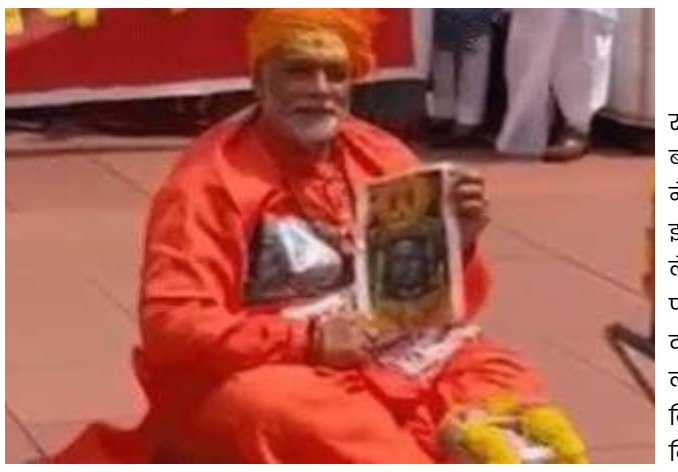

राम मंदिर में कथित चंदा चोरी के मुद्दे को लेकर पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव का संसद परिसर के बाहर किया गया विरोध प्रदर्शन अब विवादों में घिर गया है। शुक्रवार, 31 जुलाई को विपक्षी सांसदों ने केंद्र सरकार को अलग-अलग मुद्दों पर घेरने के लिए नुक्कड़ नाटक के जरिए प्रदर्शन किया। इसी दौरान पप्पू यादव साधु और मंदिर के पुजारी के रूप में नजर आए। अब उनके इस प्रदर्शन को लेकर जहांगीरपुरी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है।शिकायतकर्ता सूर्य मैथिल ने पप्पू यादव पर प्रदर्शन के दौरान धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि प्रदर्शन में धार्मिक प्रतीकों का कथित तौर पर अपमान किया गया। मैथिल ने आरोप लगाया कि पप्पू यादव के प्रदर्शन को कांग्रेस नेता राहुल गांधी, डिंपल यादव, अवधेश प्रसाद और विपक्षी INDIA गठबंधन के अन्य सांसदों का समर्थन मिला था।शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान भगवान रामलला की तस्वीर को कथित तौर पर पैरों के नीचे रखा गया, जिससे सनातन धर्म को मानने वाले लोगों की भावनाएं आहत हुईं। सूर्य मैथिल ने पुलिस से इस मामले में पप्पू यादव और प्रदर्शन में कथित तौर पर शामिल अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह, दिल्ली पुलिस कमिश्नर समेत संबंधित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से भी मामले में हस्तक्षेप की मांग की है।दरअसल, संसद परिसर में शुक्रवार को विपक्षी सांसदों ने कई मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान नुक्कड़ नाटक के जरिए राम मंदिर चंदे में कथित अनियमितता का मुद्दा उठाया गया। विपक्षी सांसदों ने इस मामले में सरकार से जवाबदेही की मांग की। इसके अलावा प्रदर्शनकारियों ने हाल में छात्रों के खिलाफ हुई पुलिस कार्रवाई का मुद्दा भी उठाया और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से संसद में आकर जवाब देने की मांग की।प्रदर्शन के दौरान पप्पू यादव भगवा वस्त्र पहने हुए नजर आए। उन्होंने खुद को मंदिर के पुजारी के रूप में प्रस्तुत किया और भक्तों से चढ़ावा लेने का प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया। उनके हाथ में अयोध्या स्थित भगवान राम की तस्वीर भी थी।अब इसी प्रदर्शन को लेकर दर्ज हुई शिकायत ने राजनीतिक विरोध को धार्मिक भावनाओं के विवाद से जोड़ दिया है। हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों पर पुलिस की ओर से आगे क्या कार्रवाई की जाती है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा।

शहजाद पूनावाला का तंज: 'मोदी जी तानाशाह बनने में फेल हो गए', राहुल गांधी पर भी निशाना

बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष और लेफ्ट-लिबरल वर्ग पर तीखा तंज कसा है। उन्होंने दावा किया कि कुछ लोग उन्हें प्रधानमंत्री मोदी का इस्तीफा मांगने वाले गुट के साथ जुड़ने के लिए कह रहे हैं। पूनावाला ने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को इस्तीफा दे देना चाहिए, क्योंकि वह ठीक से 'तानाशाह' नहीं बन पा रहे हैं। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब शहजाद पूनावाला के बीजेपी छोड़ने की अटकलें सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में चल रही हैं।शहजाद पूनावाला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि लेफ्ट-लिबरल लोग उनसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्तीफे की मांग करने वाले गुट में शामिल होने के लिए कह रहे हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी से इसलिए निराश हैं क्योंकि 12 साल में भी वह 'तानाशाह' बनने में सफल नहीं हुए।वीडियो में पूनावाला ने प्रधानमंत्री मोदी के हालिया रुख का हवाला देते हुए कहा कि जिन लोगों ने संवैधानिक पदों और प्रधानमंत्री की मां को लेकर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई के बजाय मोदी ने उन्हें 'शरारती बच्चे' बताते हुए माफी देने की अपील की। पूनावाला ने इसी को आधार बनाकर सवाल किया कि अगर मोदी वास्तव में तानाशाह होते तो क्या ऐसा रुख अपनाते?इसके बाद उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। पूनावाला ने राहुल गांधी को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और नेहरू परिवार का वंशज बताते हुए कहा कि अगर प्रधानमंत्री मोदी को 'तानाशाही' सीखनी है, तो उन्हें कांग्रेस के इतिहास से सीखना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस के शासनकाल में आपातकाल, आंदोलनों पर कार्रवाई और राजनीतिक विरोध को लेकर कई आरोप लगाए।पूनावाला ने दावा किया कि केरल में राहुल गांधी के खिलाफ कथित अपमानजनक सोशल मीडिया पोस्ट करने वाले लोगों पर मामले दर्ज किए गए। उन्होंने केरल और कर्नाटक में विरोध प्रदर्शनों, पोस्टर और सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर कथित पुलिस कार्रवाई का भी जिक्र किया।बीजेपी नेता ने अपने बयान में नेहरू, इंदिरा गांधी, असम आंदोलन, नवनिर्माण आंदोलन और अन्ना आंदोलन का भी उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के

अलग-अलग शासनकाल में आंदोलनों और विरोध करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। अंत में पूनावाला ने अपने व्यंग्य को आगे बढ़ाते हुए कहा कि 12 साल बीतने के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी 'तानाशाह' नहीं बन पाए। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार ने लेफ्ट-लिबरल लोगों की उन उम्मीदों पर पानी फेर दिया है, जिनके आधार पर वे सरकार को तानाशाही का आरोप लगाते रहे हैं।

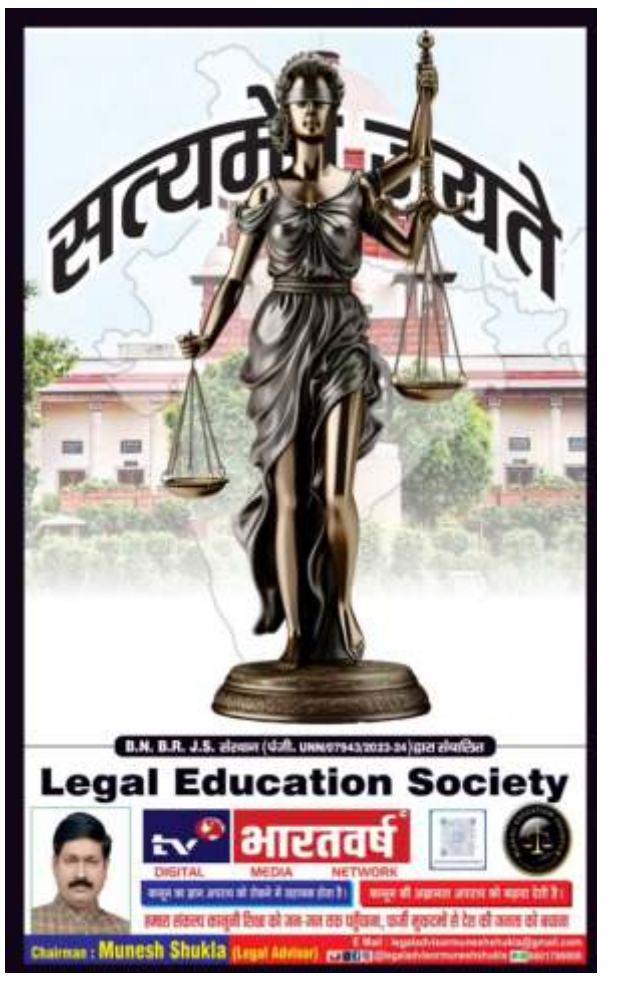

अमेरिका में भारतीय छात्रों पर बढ़ सकता है संकट OPT के लिए 1 लाख डॉलर फीस की तैयारी?

अमेरिका में पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्रों के लिए बुरी खबर है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार पढ़ाई के बाद जॉब के लिए मिलने वाले ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (OPT) को लेकर ऐसा फैसला लेने की तैयारी कर रही है, जो उनके करियर को खतरे में डाल सकता है। अगर ट्रंप सरकार ने ये फैसला लिया, तो फिर लाखों भारतीयों के लिए अमेरिका में पढ़ाई के बाद नौकरी करके करियर बनाना लगभग नामुमकिन हो जाएगा।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप सरकार एक ऐसी योजना पर विचार कर रही है, जिसके तहत ग्रेजुएशन के बाद देश में रहने और काम करने के लिए विदेशी स्टूडेंट्स से 1 लाख डॉलर (लगभग 95 लाख रुपये) लिए जाएंगे। यह कदम उन स्टूडेंट वीजा होल्डर्स के लिए बहुत बुरा साबित हो सकता है जो पहले से ही हालिया इमिग्रेशन सख्ती की वजह से मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। इस फैसले से वो हजारों भारतीय भी प्रभावित होंगे, जो ग्रेजुएट होने वाले हैं। OPT से जुड़े इस मामले की जानकारी रखने वाले शख्स ने नाम न बताने की शर्त पर अंदरूनी चर्चाओं के बारे में बात की। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि फिलहाल OPT को लेकर पॉलिसी में कोई बदलाव नहीं होने वाला है, लेकिन उन्होंने इस बात से इनकार नहीं किया कि इस प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है। अगर इसे लागू किया जाता है, तो इस फीस की वजह से कई छात्र पोस्ट-ग्रेजुएट वीजा एक्सटेंशन का फायदा नहीं उठा पाएंगे। 'ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग' (OPT) नाम का यह एक्सटेंशन, अमेरिका में विदेशी छात्रों के लिए बहुत जरूरी है। इसके तहत, स्टूडेंट वीजा होल्डर्स को अपनी डिग्री से जुड़ी फील्ड में जॉब की इजाजत मिल जाती है। अमेरिका में OPT क्या है?

OPT F-1 वीजा होल्डर्स के लिए अमेरिकी डिग्री के बाद मिलने वाला वर्क परमिट है।

OPT पर आमतौर पर 12 महीने तक काम करने की कानूनी इजाजत मिलती है।

साइंस व टेक डिग्री होल्डर को STEM एक्सटेंशन के तहत 24 महीने का एक्स्ट्रा टाइम मिलता है।

OPT पर पढ़ाई से सीधे जुड़े क्षेत्र में ही नौकरी करना जरूरी होता है।

कोर्स पूरा होने से पहले USCIS में तय समय पर OPT के लिए अप्लाई करना जरूरी होता है।

ट्रंप सरकार के अधिकारियों ने खास तौर पर OPT को निशाना बनाया है। उनका कहना है कि इससे वीजा फ्रॉड और तय समय से ज्यादा समय तक रुकने (ओवरस्टे) जैसी समस्याएं होती हैं। 'इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल एजुकेशन' के मुताबिक, पिछले फॉल इनटेक तक OPT पर लगभग 3,00,000 विदेशी छात्र थे, जो अमेरिका में विदेशी छात्रों की कुल संख्या का लगभग एक-चौथाई हिस्सा है।

NBEMS ने NEET PG 2026 के लिए बड़े बदलावों की घोषणा की, इस बार रिकॉर्ड संख्या में आवेदन आए

NBEMS ने NEET PG 2026 के लिए बड़े बदलावों की घोषणा की है। नए उपायों के तहत परीक्षा प्रक्रिया के दौरान आधार-आधारित ऑथेंटिकेशन और पहचान की पुष्टि (identity verification) लागू की जाएगी। इसके अलावा परीक्षा केंद्र आवंटित करने की पुरानी व्यवस्था को खत्म कर दिया गया है। इस बार रजिस्ट्रेशन में भी बढ़ोतरी हुई है।एमडी (MD), एमएस (MS) और पीजी डिप्लोमा कोर्सेज में दाखिले के लिए होने वाली NEET-PG 2026 की तैयारी की जा रही है। इस बार रिकॉर्ड संख्या में आवेदन आए हैं। इस बार परीक्षा को लेकर कई बदलाव किए गए हैं। NEET- UG की परीक्षा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) कराती है लेकिन वहीं NEET-PG को करवाने की जिम्मेदारी नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेस (NBEMS) के पास है। अन्य परीक्षाओं में गड़बड़ियों और चिंताओं के बाद बोर्ड ने अपने परीक्षा तंत्र की समीक्षा की है। इसमें तकनीकी साझेदारों और संबंधित सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर संभावित जोखिमों का आकलन किया गया है। बोर्ड का कहना है कि परीक्षा सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए सभी जरूरी उपाय किए जा रहे हैं।

अजीत डोभाल को शनिवार को पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया

तन्वी शर्मा ने तकनीकी श्रेष्ठता का प्रदर्शन करते हुए ताइपे ओपन के फाइनल में जगह बनाई

युवा भारतीय शटलर तन्वी शर्मा ने शनिवार को यहां चीनी ताइपे की हुआंग यु सुन पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया। पिछले साल के यूएस ओपन सुपर 300 में उपविजेता रही पंजाब की 17 वर्षीय खिलाड़ी तन्वी ने सेमीफाइनल में यु सुन को केवल 33 मिनट में 21-17, 21-11 से पराजित किया। यहां फाइनल मुकाबला दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच होने की संभावना थी लेकिन महिला एकल के दूसरे सेमीफाइनल में उन्नति हुडा को वियतनाम की विश्व में नंबर 21 थूई लिन्ह गुयेन से 15-21 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह से विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी रविवार को होने वाले फाइनल में वियतनाम की छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी से भिड़ेंगी। तन्वी 2024 में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में भारत की स्वर्ण पदक विजेता टीम का हिस्सा थीं। उन्होंने पिछले दो वर्षों में काफी प्रगति की है। तन्वी ने 2025 में ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 और गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 में उपविजेता रहने के अलावा 2024 में बॉन इंटरनेशनल और 2025 में डेनमार्क चैलेंज जीता था। तन्वी ने शुरू से आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया तथा अपने तेज क्रॉस-कोर्ट स्मैश और पुश शॉट्स से हुआंग को बार-बार परेशान किया। पहले गेम में स्कोर 3-3 से बढ़कर 7-6 हो गया। तन्वी ने इसके बाद पूरे गेम में मामूली बढ़त बनाए रखी और 14-10 से 17-11 तक पहुंच गई। स्थानीय खिलाड़ी ने स्कोर को 15-17 तक कम कर दिया, जिसके बाद तन्वी ने आक्रामक खेल दिखाया और पहला गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में हुआंग ने स्कोर 9-9 से बराबर कर दिया, लेकिन तन्वी इसके बाद हावी हो गईं।

इमेशा दुलानी ने शानदार शतक जड़ा, शतक बनाने वाली दूसरी महिला क्रिकेटर बनीं

पाकिस्तान की महिला टीम इन दिनों श्रीलंका दौरे पर है। दोनों टीमों के बीच 31 जुलाई को टी20 सीरीज का पहला मैच खेला गया। श्रीलंका की महिला क्रिकेट टीम ने पहले टी-20 मैच में पाकिस्तान को 6 विकेट से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में इमेशा दुलानी ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए नाबाद 101 रनों की शतकीय पारी खेली और अपनी टीम को जीत दिलाई। इस शतक के साथ ही वह टी-20 इंटरनेशनल मैचों में सेंचुरी बनाने वाली श्रीलंका की दूसरी महिला बल्लेबाज बन गई हैं।श्रीलंका की ओर से महिला टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पहला शतक लगाने का रिकॉर्ड अनुभवी खिलाड़ी चमारी अटापट्टू के नाम है। उन्होंने साल 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 66 गेंदों में 113 रन बनाए थे। अब 7 साल बाद इमेशा दुलानी ने पाकिस्तान के खिलाफ 64 गेंदों में नाबाद 101 रनों की शानदार पारी खेलकर इस खास रिकॉर्ड लिस्ट में अपना नाम दर्ज करा लिया है। उन्होंने इस मुकाबले में श्रीलंका की जीत में अहम भूमिका निभाई है। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका के सामने 177 रन का टारगेट रखा था। इस टारगेट को श्रीलंका की महिला टीम ने 19वें ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। श्रीलंका के लिए इमेशा दुलानी और कप्तान चामरी अटापट्टू की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 78 रन जोड़े और टीम को एक शानदार शुरूआत दी।

बॉक्सर जादुमणि सिंह ने भी भारत को एक और मेडल दिलाया

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का दमदार प्रदर्शन जारी है। महिला बॉक्सर प्रीति पवार और जैस्मिन लम्बोरिया के बाद अब पुरुष बॉक्सर जादुमणि सिंह ने भी भारत को एक और मेडल दिलाया है। हालांकि वे गोल्ड मेडल नहीं जीत पाए और 55 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के जाई डिक्सन के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा है। भारत बॉक्सिंग में लगातार तीसरा गोल्ड मेडल जीतने से चूक गया है।जादुमणी सिंह ने खिताबी मैच के पहले राउंड में ऑस्ट्रेलिया के जाई डिक्सन के खिलाफ 3-2 से जीत हासिल की। इस दौरान उन्हें 3 रेफरी ने 10-10 अंक दिए थे। इसके बाद अगले राउंड में डिक्सन ने दबदबा दिखाते हुए पांचों जजों से 10-10 अंक हासिल किए। डिक्सन दूसरे राउंड की समाप्ति तक 20-18 से आगे थे। तीसरे राउंड में डिक्सन एक बार फिर हावी नजर आए। उन्हें सभी 5 जजों से 10-10 अंक मिले, जिसने ऑस्ट्रेलियाई मुक्केबाज के लिए गोल्ड मेडल सुनिश्चित कर दिया।इससे पहले, जादुमणी सिंह ने 'राउंड ऑफ-32' में स्कॉटलैंड के एरन कलन को 5-0 से मात दी थी। इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान के सुमामा रहमान को 5-0 से हराया। क्वार्टर फाइनल में जाम्बिया के म्वेंगो म्वाले को 5-0 से हराने के बाद भारतीय बॉक्सर ने सेमीफाइनल में नामीबिया के फिलिप पुमुलो मुटाकेला हाओसेब को एकतरफा अंदाज में 5-0 से धूल चटाई थी। मणिपुर में जन्मे एमेच्योर बॉक्सर जादुमणी सिंह देश के सबसे होनहार युवा बॉक्सरों में से एक हैं, जिन्होंने अपनी तेजी, तकनीकी सटीकता और लगातार लड़ने के अंदाज के लिए पहचान बनाई। अपने करियर की शुरुआत में बड़ी चुनौतियों का सामना करने के बाद, जादुमणी ने नेशनल और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने 2026 सीनियर नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप का खिताब जीता और उन्हें टूर्नामेंट का 'बेस्ट बॉक्सर' चुना गया।

66 लाख की नौकरी छोड़ रिसेप्शनिस्ट बनी महिला

आज के समय में ज्यादातर लोग अच्छी सैलरी और बड़े पद के लिए लगातार मेहनत करते हैं. लेकिन क्या होगा अगर वही नौकरी आपकी जिंदगी से खुशी छीन ले? ऑस्ट्रेलिया की ग्रेस मैक्लीलैंड (Grace McClelland) की कहानी इसी सवाल का जवाब देती है. उन्होंने करीब 66 लाख रुपये सालाना की नौकरी छोड़कर रिसेप्शनिस्ट बनने का फैसला किया. वजह सिर्फ एक थी- मानसिक शांति और बेहतर जिंदगी. ग्रेस ने रिटेल इंडस्ट्री में सेल्स एसोसिएट के तौर पर करियर शुरू किया. मेहनत के दम पर वह एक बड़े ब्रांड के फ्लैगशिप स्टोर की मैनेजर बन गईं. बाहर से देखने पर उनका करियर शानदार लग रहा था, लेकिन हकीकत कुछ और थी. उन्होंने बताया कि नई जिम्मेदारियों के साथ उन पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव बढ़ता गया. लंबे वर्किंग आवर्स, रोज का सफर और हर समय खुद को साबित करने की कोशिश ने उन्हें मानसिक रूप से थका दिया. ⊙

रेस्टोरेंट चला रहे एलॉन मस्क?

चीन के शांक्सी प्रांत का एक बारबेक्यू शेफ अपने चेहरे की वजह से अचानक सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. लोग उसे एलॉन मस्क का हमशक्ल बता रहे हैं और उसके साथ फोटो खिंचवाने के लिए रेस्टोरेंट पहुंच रहे हैं. हालांकि, अचानक मिली लोकप्रियता के बावजूद शेफ का कहना है कि वह इंटरनेट स्टार नहीं बनना चाहता और सिर्फ अपने काम पर ध्यान देना चाहता है. दुनिया के सबसे चर्चित उद्योगपतियों में से एक एलॉन मस्क का चेहरा लगभग हर कोई पहचानता है, लेकिन अगर आपको कोई ऐसा व्यक्ति मिल जाए जो बिल्कुल एलन मस्क जैसा दिखता हो और वह किसी बड़ी कंपनी का मालिक नहीं बल्कि एक साधारण रेस्टोरेंट में बारबेक्यू बनाने वाला शेफ हो, तो शायद आपको भी यकीन न हो. चीन में इन दिनों ठीक ऐसा ही हुआ है. चीन के शांक्सी प्रांत के तोंगचुआन शहर में रहने वाले 48 वर्षीय मा जियानपिंग अचानक सोशल मीडिया स्टार बन गए हैं. लोग उन्हें 'चीन का एलॉन मस्क' कहकर बुला रहे हैं. वजह सिर्फ इतनी है कि उनका चेहरा और हाव-भाव दुनिया के मशहूर अरबपति एलन मस्क से काफी मिलते-जुलते हैं. 26 जुलाई को मा जियानपिंग का एक वीडियो चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म डोयिन पर पोस्ट किया गया. वीडियो में वह अपने रेस्टोरेंट में ग्राहकों के लिए बारबेक्यू तैयार करते नजर आ रहे हैं. ⊙

भारतीय महिला ने सुनाई आपबीती

घिनौना है टमाटर फेंकने वाला जश्न!

'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में दिखा ला टोमाटीना फेस्टिवल लाखों लोगों का सपना बन गया था. लेकिन स्पेन पहुंची एक भारतीय कंटेंट क्रिएटर ने दावा किया है कि असल अनुभव फिल्म से बिल्कुल अलग और काफी मुश्किल भरा है.

अगर आपने 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' देखी है, तो स्पेन के मशहूर ला टोमाटीना फेस्टिवल का वह रंग-बिरंगा सीन शायद आज भी याद होगा.

फिल्म में हजारों लोग एक-दूसरे पर टमाटर फेंकते हुए मस्ती करते नजर आए थे. यही वजह है कि हर साल बड़ी संख्या में भारतीय इस फेस्टिवल को अपनी ट्रैवल बकेट लिस्ट में शामिल करते हैं. लेकिन हाल ही में स्पेन के बुन्योल में आयोजित इस फेस्टिवल में शामिल हुई भारतीय कंटेंट क्रिएटर अनाली गुप्ता ने ऐसा अनुभव साझा किया, जिसने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है.

उनका कहना है कि फिल्म में जो दिखाया गया, असलियत उससे काफी अलग है. इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में अनाली ने कहा, "मैं अभी टोमैटो फेस्टिवल से वापस आ रही हूं. आपको लगता होगा कि मैंने जिंदगी ना मिलेगी दोबारा जैसा मजेदार अनुभव किया होगा, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं हुआ." उन्होंने बताया कि वहां पहुंचने के बाद उन्हें सबसे बड़ा झटका टमाटरों की हालत देखकर लगा. उनके मुताबिक, फेस्टिवल में इस्तेमाल होने वाले कई टमाटर जरूरत से ज्यादा पके हुए या सड़े हुए थे, जिनसे तेज बदबू आ रही थी. अनाली ने बताया कि बदबू इतनी ज्यादा थी कि उन्हें खुद उल्टी आने जैसा महसूस होने लगा. उन्होंने कहा कि उनके आसपास मौजूद कई लड़कियां लगातार उल्टियां कर रही थीं. ⊙

क्या है ला टोमाटीना फेस्टिवल?

ला टोमाटीना दुनिया के सबसे मशहूर फूड फेस्टिवल्स में से एक है. यह हर साल स्पेन के बुन्योल शहर में आयोजित होता है, जहां हजारों लोग एक-दूसरे पर टमाटर फेंककर जश्न मनाते हैं. दुनियाभर से पर्यटक इसमें हिस्सा लेने पहुंचते हैं और बॉलीवुड फिल्म 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' के बाद भारतीय पर्यटकों के बीच इसकी लोकप्रियता कई

शादी में मां को नहीं बुलाया तो बॉस ने नौकरी से निकाला

चीन में एक कंपनी के मालिक का फैसला इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का बड़ा विषय बना हुआ है. इस कारोबारी को लोग 'चीन का सबसे दरियादिल बॉस' कहते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने ऐसा कदम उठाया, जिसकी लोग तारीफ कर रहे हैं. उन्होंने अपने एक कर्मचारी को सिर्फ इसलिए नौकरी से निकाल दिया, क्योंकि उसने अपनी ही मां को शादी में नहीं बुलाया था. कर्मचारी का कहना था कि उसे अपनी मां के साधारण रूप-रंग की वजह से शर्म आती थी. ⊙

'रामायण' के ट्रेलर ने मचाई धूम

पाकिस्तान में भी रणबीर-यश और VFX की हो रही तारीफ

फिल्ममेकर नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' का ट्रेलर 30 जुलाई को रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया। भारतीय दर्शकों के बीच इस पौराणिक गाथा को लेकर पहले से ही जबरदस्त उत्साह था, लेकिन ट्रेलर सामने आने के बाद पाकिस्तान के कंटेंट क्रिएटर्स और यूट्यूबर्स के रिएक्शन भी चर्चा का विषय बन गए हैं। कई पाकिस्तानी क्रिएटर्स ने फिल्म के भव्य निर्माण, VFX, एक्शन और कलाकारों की स्क्रीन प्रेजेंस की जमकर तारीफ की है।पाकिस्तानी कंटेंट क्रिएटर माविया उमर फारूकी ने इंस्टाग्राम पर ट्रेलर को लेकर अपनी प्रतिक्रिया साझा की। उन्होंने फिल्म के कथित बड़े बजट और निर्माण के पैमाने पर हैरानी जताई। माविया ने कहा कि एक पाकिस्तानी दर्शक के तौर पर भी ट्रेलर देखकर वह काफी उत्साहित हो गए हैं। उन्होंने फिल्म के विजुअल इफेक्ट्स को हॉलीवुड स्तर का बताया और रणबीर कपूर के राम तथा यश के रावण वाले किरदार की एंट्री की तारीफ की। हालांकि, फिल्म के बजट को लेकर सोशल मीडिया पर अलग-अलग आंकड़े सामने आए और कुछ यूजर्स ने माविया के दावे को लेकर उन्हें सुधारा।माविया के अलावा कई दूसरे पाकिस्तानी यूट्यूबर्स ने भी ट्रेलर पर अपनी प्रतिक्रिया दी। यूट्यूबर हसनात खान ने रावण के लुक, एक्शन, CGI और ग्राफिक्स की तारीफ करते हुए इसे शानदार बताया। वहीं 'पाकिस्तानी रिएक्शन बॉय' नाम के चैनल ने रणबीर कपूर और यश की एंट्री को दमदार बताया। उन्होंने सीता के किरदार में साई पल्लवी की झलक को भी खास तौर पर सराहा। एक अन्य पाकिस्तानी चैनल ने साई पल्लवी के पारंपरिक लुक और सादगी की तारीफ की। साथ ही फिल्म के बैकग्राउंड म्यूजिक और VFX को भी प्रभावशाली बताया।ट्रेलर में रामायण की कहानी के कई अहम प्रसंगों की झलक दिखाई गई है। शुरुआत लंकापति रावण के विशाल महल से होती है। इसके बाद राजकुमार राम के रूप में रणबीर कपूर की एंट्री होती है, जो लक्ष्मण के किरदार में रवि दुबे के साथ प्रजा की रक्षा करते नजर आते हैं। ट्रेलर में राजा दशरथ और कैकेयी से जुड़ा प्रसंग, राम के 14 वर्षों के वनवास और माता सीता के उनके साथ जाने का फैसला भी दिखाया गया है।इसके बाद राम और रावण के बीच होने वाले महायुद्ध की भव्य झलकियां दिखाई जाती हैं। बड़े पैमाने पर तैयार किए गए VFX, CGI और एक्शन सीक्वेंस ट्रेलर को खास बनाते हैं। हालांकि, सबसे ज्यादा ध्यान इस बात ने खींचा कि पूरे ट्रेलर में भगवान हनुमान का कोई स्पष्ट दृश्य या जिक्र नहीं है। इससे दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। अब देखना होगा कि फिल्म में हनुमान की एंट्री किस अंदाज में होती है।

LDA में रिश्वत का खेल बेनकाब!

7.50 लाख की रिश्वत लेते JE समेत तीन गिरफ्तार

लखनऊ में एलडीए के जेई समेत तीन लोग 7.50 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए विजिलेंस के हत्थे चढ़े। मकान निर्माण रोकने की धमकी देकर रिश्वत मांगी गई थी। शिकायत और सबूतों के आधार पर कार्रवाई हुई।

लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) के जेई समेत 3 लोग 7.50 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़े गए। विजिलेंस ने शिकायतकर्ता के जरिए इन्हें पैसे देने के लिए बुलाया था। गोमती नगर के LDA के ऑफिस में जैसे ही आरोपियों ने पैसे लिए, टीम ने उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। जोन-5 ऑफिस में तैनात JE दिनेश कुमार वर्मा, सुपरवाइजर चंद्र प्रकाश और बिचौलिए श्रवण कुमार ने शिकायतकर्ता को धमकाया था। उससे मकान निर्माण के बदले 15 लाख रुपए की डिमांड की थी। विजिलेंस टीम अब आरोपियों से पूछताछ में जुटी है। विजिलेंस टीम के मुताबिक, शिकायतकर्ता ने पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान के लखनऊ सेक्टर में शिकायत की थी। इसमें बताया था कि विकास प्राधिकरण के जेई दिनेश कुमार वर्मा उसके निर्माणाधीन मकान पर पहुंचे। उसे धमकाते हुए कहा कि मकान का निर्माण बंद करा दो। शिकायतकर्ता को बताया गया कि उसके मकान निर्माण को लेकर IGRS पोर्टल पर शिकायत मिली है। इस मामले को खत्म कराने के लिए उसे L D A कार्यालय बुलाया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार, LDA ऑफिस पहुंचने पर JE दिनेश कुमार वर्मा और सुपरवाइजर चंद्र प्रकाश ने उससे 15 लाख रुपए की रिश्वत मांगी। रकम नहीं देने पर निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की बात कही गई। शिकायतकर्ता ने इतनी रकम देने से मना किया तो सौदा घटकर 7.50 लाख रुपए में तय हुआ। विजिलेंस की जांच में सामने आया कि जेई और सुपरवाइजर ने रिश्वत के लिए बाहरी व्यक्ति श्रवण कुमार को अपने साथ मिला रखा था। मकान बनवा रहे व्यक्ति को IGRS शिकायत का डर दिखाकर तीनों रिश्वत की मांग कर रहे थे। शिकायतकर्ता ने जांच कर रही टीम को रिश्वत से जुड़ी मोबाइल कॉल और बाकी सबूत भी दिए थे। शिकायत सही पाए जाने के बाद विजिलेंस ने रिश्वतखोर जेई की गिरफ्तारी की प्लानिंग की। शनिवार को शिकायतकर्ता तय रकम 7.50 लाख रुपए लेकर पहुंचा। जैसे ही आरोपियों ने रिश्वत की रकम ली, विजिलेंस टीम ने तीनों को रंगे हाथ पकड़ लिया। मौके से पूरी रकम भी बरामद की गई।

समाधान दिवस में शिकायतों का अंबार

लखनऊ की पांचों तहसीलों में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। इस दौरान कुल 795 शिकायतें आईं। इनमें से 181 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। डीएम विशाख जी ने मलिहाबाद तहसील पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को लंबित मामलों का एक सप्ताह के अंदर निस्तारण करने के निर्देश दिए। वहीं, मोहनलालगंज तहसील में जमीन पर कब्जे की शिकायत को लेकर एक वकील और एसडीएम के बीच तीखी बहस हो गई। दोनों के बीच करीब आधे घंटे तक नोकझोंक होती रही। इसके चलते समाधान दिवस की कार्रवाई भी प्रभावित हुई। अधिकारियों ने बाद में मामले को शांत कराया। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि लोगों की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर समयबद्ध समाधान हो। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का तय समय सीमा में निस्तारण कर उसकी फोटो और वीडियो सहित रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। साथ ही निस्तारण के बाद शिकायतकर्ताओं से फोन पर फीडबैक लेना भी सुनिश्चित किया जाए। समाधान दिवस में मलिहाबाद तहसील में सबसे ज्यादा 201 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें से 72 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। वहीं, सदर तहसील में 41 में से 3, बीकेटी में 175 में से 38, मोहनलालगंज में 262 में से 52 और सरोजनीनगर में 116 में से 16 शिकायतों का तत्काल समाधान किया गया।

खजूर फैक्ट्री में आग से मची अफरा-तफरी

दुबग्गा में धधका खजूर का गोदाम

लखनऊ के दुबग्गा थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर करीब 12 बजे एक खजूर पैकिंग फैक्ट्री के बेसमेंट में भीषण आग लग गई। यह फैक्ट्री मछली मंडी के पास यूनिटी कॉलेज के निकट स्थित है। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल की 6 गाड़ियां और पुलिस मौके पर पहुंची। बेसमेंट से धुएं का घना गुबार उठता देख इलाके में हलचल मच गई। सूचना पर कई दमकल गाड़ियां तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गईं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकलकर्मियों को आग को पूरी तरह बुझाने में करीब 1 घंटा लग गया। आग 1 बजे शांत हो गई। आग लगने की वजह शॉर्ट-सर्किट बताई जा रही है। फायर विभाग के मुताबिक, दोपहर करीब 1 बजे चौक फायर स्टेशन को मछली मार्केट के पास खजूर के गोदाम में आग लगने की सूचना मिली। चौक स्टेशन से तीन गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। आग की गंभीरता को देखते हुए चौक, हजरतगंज और बीकेटी से तीन और गाड़ियां बुला ली गईं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी और बीकेटी के अग्निशमन अधिकारी प्रशांत भी मौके पर पहुंचे। बेसमेंट में आग के कारण काफी घना और जहरीला धुआं भर गया था। ऐसे में सीधे अंदर जाना मुश्किल था। इसके बाद फायरकर्मियों की एक टीम ने बीए सेट पहनकर अंदर प्रवेश किया और आग बुझाने का काम शुरू किया। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। फायर विभाग की शुरुआती जांच में बिजली के मीटर में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई गई है। आग से गोदाम में रखा बड़ी मात्रा में खजूर, पैकिंग का सामान, पैकिंग मशीन और डीप फ्रीजर जलकर क्षतिग्रस्त हो गए। बिल्डिंग ठाकुरगंज के बालागंज स्थित मरी माता मंदिर निवासी शशांक यादव की बताई गई है। इसके बेसमेंट में 463/4क, हाता मिर्जा अली खां, हुसैनाबाद निवासी सैय्यद इख्तिखार रजा आब्दी पिछले करीब तीन साल से किराए पर खजूर पैकिंग का काम कर रहे थे। पुलिस और दमकल विभाग आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं।

नैमिष नगर योजना पर किसानों का बड़ा आंदोलन मुआवजा नहीं तो भूख हड़ताल!

लखनऊ में नैमिष नगर योजना के तहत भूमि अधिग्रहण के खिलाफ किसानों का विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। शनिवार को लगभग 300 किसानों ने बख्शी का तालाब तहसील पहुंचकर प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। किसान अधिग्रहित की जा रही जमीन के लिए एक बराबर सर्किल रेट पर मुआवजे की मांग कर रहे हैं। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सहमति नहीं बनती है, तो वे 15 अगस्त से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर देंगे। प्रदर्शन में शामिल महिला किसानों ने भी सरकार से अपील की कि बाजार मूल्य के अनुरूप मुआवजा दिए बिना जबरन भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई न की जाए। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने एडीएम राजकुमार मित्तल को एक ज्ञापन सौंपा। इसमें मांग की गई कि योजना से प्रभावित सभी 18 गांवों की अधिग्रहित भूमि का मुआवजा समान सर्किल रेट के आधार पर तय किया जाए। किसानों ने स्पष्ट किया कि बाजार मूल्य से कम कीमत पर जमीन का अधिग्रहण किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

CM से मिलने की जिद में टावर पर चढ़ी महिला

लखनऊ के हजरतगंज स्थित पार्क रोड पर शुक्रवार सुबह एक महिला टावर पर चढ़ गई। यह देख लोगों ने पुलिस को बताया। महिला काफी देर तक टावर के स्टील प्लेटफॉर्म पर बैठकर चिल्लाती रही। उसके साथ आया उसका नाबालिग बेटा नीचे खड़ा था। सूचना पर पहुंची हजरतगंज पुलिस और फायर विभाग की टीम ने उसे समझाते हुए नीचे उतार लिया। महिला की पहचान आगरा के कैंट क्षेत्र स्थित श्याम विहार छोटी कॉलोनी निवासी तुलसा के रूप में हुई है। उसने बताया कि वह आगरा पुलिस के खिलाफ शिकायत लेकर मुख्यमंत्री से मिलने लखनऊ आई थी। उसका कहना है कि पुलिस ने उसके बच्चे से पैसे छीने और उसकी पिटाई की। इसके लिए वह मुख्यमंत्री से शिकायत करेगी। महिला का आरोप है कि आगरा में उसने अपने नाबालिग बच्चों को रेलवे स्टेशन पर सामान लेने भेजा था। वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने बच्चों पर चोरी का आरोप लगाकर उनकी पिटाई की, 2 हजार रुपए छीन लिए और मोबाइल फोन भी तोड़ दिया। जब उसने इसका विरोध किया तो उसे झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई।

कंगना के बयान पर कांग्रेस का हल्ला बोल

लखनऊ में भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत के कथित बयान को लेकर कांग्रेस महिला मोर्चा ने विरोध जताया। शनिवार को महिला मोर्चा की पदाधिकारी और कार्यकर्ता हुसैनगंज थाने पहुंचीं। उन्होंने कंगना के खिलाफ FIR दर्ज कराने की मांग करते हुए पुलिस को तहरीर दी। कांग्रेस महिला मोर्चा का आरोप है कि कंगना के कथित बयान से नई पीढ़ी यानी Gen-Z, छात्र-छात्राओं, महिलाओं और उनके परिवारों की गरिमा को ठेस पहुंची है। कार्यकर्ताओं ने पुलिस से भारतीय न्याय संहिता (B N S) की प्रासंगिक धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। तहरीर में कहा गया है कि यह बयान केवल प्रदर्शन कर रहे छात्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की पूरी नई पीढ़ी, महिलाओं, युवाओं और उनके परिवारों का अपमान है। कांग्रेस महिला मोर्चा का आरोप है कि इस तरह की सार्वजनिक टिप्पणी से सामाजिक वैमनस्य और अशांति फैल सकती है तथा

लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। महिला मोर्चा ने तहरीर में कहा कि कथित बयान सिर्फ प्रदर्शन में शामिल छात्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे देश की नई पीढ़ी, युवाओं, महिलाओं और उनके परिवारों की गरिमा को ठेस पहुंची है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि इस तरह की टिप्पणी से सामाजिक वैमनस्य और अशांति फैल सकती है। शिकायतकर्ता ने पुलिस से कथित बयान के मूल वीडियो, ऑडियो और सोशल मीडिया पोस्ट को साक्ष्य के तौर पर सुरक्षित रखने की मांग की है। साथ ही पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की प्रासंगिक धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की अपील की गई है।

समाधान दिवस में शिकायतों का अंबार

140 शिकायतें, 32 का मौके पर समाधान

उन्नाव में पुरवा तहसील सभागार में शनिवार को सुबह 10 बजे से शाम 3:30 बजे तक आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी घनश्याम मीना और पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान कुल 140 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 32 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। अधिकारियों को शेष मामलों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। समाधान दिवस में सबसे अधिक शिकायतें राजस्व और सिंचाई विभाग से संबंधित रहीं। इसके अलावा भूमि विवाद, सड़क, पेयजल, बिजली और पेंशन से जुड़े मामलों पर भी फरियादियों ने शिकायतें दर्ज कराईं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव नहीं है, उनके लिए संबंधित विभागों की संयुक्त टीम बनाकर तय समय सीमा में कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने भूमि विवादों के निस्तारण के लिए राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर निष्पक्ष एवं स्थायी समाधान निकालने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने एसडीएम पुरवा द्वारा हिलौली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण में मिली खामियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सावन माह के पहले सोमवार को देखते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को कांवड़ यात्रा, मंदिरों और प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा यातायात प्रबंधन की तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। समाधान दिवस के दौरान एकल खिड़की व्यवस्था के कारण कई फरियादियों को शिकायत दर्ज कराने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। कुछ लोग शिकायत दर्ज न होने से निराश होकर लौट गए। इस पर जिलाधिकारी ने व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर दिखाई देना चाहिए। अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर शिकायतकर्ता से संपर्क करें और समाधान की पुष्टि करें। लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

विकास कार्य न शुरू होने पर फूटा गुस्सा

उन्नाव में लंबे समय से विकास कार्य शुरू न होने से नाराज नगर पालिका सदस्यों और ठेकेदारों ने शनिवार को नगर पालिका कार्यालय के मुख्य गेट पर ताला जड़कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने गेट पर "विकास कार्य बाधित तो नगर पालिका बाधित" का नोटिस चस्पा कर प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई। उनका आरोप है कि कई बार ज्ञापन देने और मांग उठाने के बावजूद पालिका प्रशासन ने विकास कार्य शुरू कराने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। पालिका सदस्यों का कहना है कि नगर क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों के टेंडर पहले ही हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद कार्य धरातल पर शुरू नहीं हुए। इससे वार्डों में जलभराव, खराब सड़कें, बंद नालियां, पेयजल संकट और मार्ग प्रकाश व्यवस्था जैसी समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। उन्होंने बताया कि जनता लगातार समस्याओं के समाधान की मांग कर रही है, लेकिन कार्य शुरू न होने से जनप्रतिनिधि भी असहज स्थिति में हैं। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि इससे पहले अधिशाषी अधिकारी डॉ. राजेश कुमार को ज्ञापन देकर विकास कार्य जल्द शुरू कराने की मांग की गई थी। उस समय मिले आश्वासन के बाद प्रस्तावित धरना स्थगित कर दिया गया था, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। मजबूर होकर उन्हें दोबारा आंदोलन करना पड़ा।

आंबेडकर प्रतिमा पुनर्स्थापना को लेकर जनआंदोलन की तैयारी

उन्नाव। शुक्लागंज में विस्थापित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा की पुनर्स्थापना के लिए अब जनसंपर्क और जनजागरण अभियान शुरू किया जाएगा। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने शनिवार दोपहर इस अभियान की रूपरेखा साझा की। उन्होंने बताया कि जल्द ही शुक्लागंज में एक संकल्प सभा आयोजित की जाएगी, जिसका उद्देश्य प्रतिमा की पुनर्स्थापना के लिए व्यापक जनसमर्थन जुटाना है। विधायक ने इस अवसर पर "वर्षों के संघर्ष की अधूरी कहानी, हम सब मिलकर बनाएंगे नई निशानी" संदेश दोहराया। अभियान का मुख्य नारा "जब तक मूर्ति स्थापित नहीं, तब तक विराम नहीं" रखा गया है। पंकज गुप्ता ने स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल प्रतिमा स्थापित कराने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि समाज को बाबा साहब के विचारों और उनके आदर्शों से जोड़ने का भी प्रयास करेगा। आगामी दिनों में कार्यकर्ता और समर्थक घर-घर तथा गांव-गांव जाकर लोगों से संपर्क करेंगे। इस दौरान उन्हें बाबा साहब के संविधान निर्माण में योगदान, सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही प्रतिमा पुनर्स्थापना के लिए जनसंकल्प भी दिलाया जाएगा। विधायक ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनकी प्रतिमा की पुनर्स्थापना केवल एक स्मारक स्थापित करने का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि सभी वर्गों के लोगों को इस अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा, ताकि यह एक जनभागीदारी का आंदोलन बन सके। पंकज गुप्ता ने यह भी कहा कि प्रतिमा की पुनर्स्थापना होने तक यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। इसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों और नागरिकों का सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने लोगों से संकल्प सभा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर अभियान को सफल बनाने की अपील की।

स्कूल में मिला जीवन रक्षक प्रशिक्षण सीपीआर सीखें, जिंदगी बचाएं!

उन्नाव में राजधानी मार्ग स्थित श्री प्रकाश ज्वाला देवी गर्ल्स इंटर कॉलेज में शनिवार दोपहर छात्राओं और विद्यालय स्टाफ के लिए सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान वरिष्ठ क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ डॉ. सचिन मिश्रा ने आपातकालीन परिस्थितियों में जान बचाने के लिए सीपीआर की उपयोगिता और सही तकनीक की जानकारी दी। प्रशिक्षण के लिए डॉ. सचिन मिश्रा अपने साथ एक विशेष डमी (पुतला) लेकर पहुंचे। उन्होंने इसी डमी पर सीपीआर की पूरी प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन किया, जिससे प्रतिभागियों को समझने में आसानी हुई। डॉ. मिश्रा ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को अचानक हार्ट अटैक या कार्डियक अरेस्ट हो जाए, तो चिकित्सकीय सहायता पहुंचने तक सही तरीके से दिया गया सीपीआर उसकी जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने छात्राओं और शिक्षकों को छाती पर दबाव (चेस्ट कंप्रेशन) देने की सही तकनीक समझाई। इसके साथ ही, माउथ-टू-माउथ रेसुसिटेशन की विधि का भी प्रदर्शन किया और बताया कि आपात स्थिति में किस प्रकार प्राथमिक उपचार देकर मरीज को राहत पहुंचाई जा सकती है। डॉ. मिश्रा ने जोर दिया कि सीपीआर का प्रशिक्षण केवल स्वास्थ्यकर्मियों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रत्येक नागरिक को इसकी बुनियादी जानकारी होनी चाहिए। इससे जरूरत पड़ने पर किसी की जान बचाई जा सकेगी। प्रशिक्षण सत्र के दौरान छात्राओं ने भी डमी पर सीपीआर का अभ्यास किया और विशेषज्ञ से अपने सवाल पूछे। डॉ. मिश्रा ने उन्हें विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों में घबराने के बजाय सही तरीके से प्राथमिक उपचार देने और तत्काल चिकित्सा सहायता बुलाने की सलाह दी। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रबंधक भरत त्रिवेदी ने डॉ. सचिन मिश्रा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं और जीवन रक्षक कौशल विकसित करने में सहायक साबित होते हैं। प्रधानाचार्या नेहा मिश्रा ने सीपीआर जैसी जीवनरक्षक विधि के व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर बल दिया।

गंगाजल लेकर लोधेश्वर धाम को निकले शिवभक्त

उन्नाव में श्रावण मास के अवसर पर शनिवार सुबह शुक्लागंज के मिश्रा कॉलोनी और आनंद घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सैकड़ों कांवड़ियों ने गंगा में स्नान कर गंगाजल भरा। इसके बाद वे बाराबंकी स्थित प्रसिद्ध लोधेश्वर महादेव मंदिर के लिए पैदल कांवड़ यात्रा पर रवाना हुए। इस दौरान "हर-हर महादेव" और "बोल बम" के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। सुबह से ही दोनों घाटों पर भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। गंगाजल भरने के बाद कांवड़िए अपनी कांवड़ कंधों पर लेकर शुक्लागंज नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए लखनऊ-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के रास्ते बाराबंकी की ओर बढ़े। इस यात्रा में युवा, बुजुर्ग और महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल थीं। कई शिवभक्त भगवा वस्त्र धारण किए हुए थे और डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों की धुन पर आगे बढ़ रहे थे। कांवड़ यात्रा के लिए प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की थीं। यात्रा मार्ग पर पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। प्रमुख चौराहों, घाटों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिसकर्मी लगातार निगरानी कर रहे थे। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए, जिससे कांवड़ियों की यात्रा सुरक्षित और निर्बाध बनी रहे। यात्रा मार्ग पर विभिन्न सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों द्वारा शिवभक्तों के स्वागत की व्यवस्था की गई है। जगह-जगह पेयजल, शर्बत और प्राथमिक चिकित्सा शिविर लगाए गए हैं, ताकि लंबी पदयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को परेशानी न हो।

जनता दरबार में साक्षी महाराज के सियासी तेवर

उन्नाव से भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने शनिवार सुबह अपने आवासीय कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र से आए लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को कई मामलों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। जनता दरबार में बातचीत के दौरान सांसद ने कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे की गुणवत्ता, विपक्षी राजनीति, संसद परिसर में हुई हालिया घटना और आगामी विधानसभा चुनाव सहित विभिन्न मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के बाद सामने आई तकनीकी खामियों पर सांसद साक्षी महाराज ने कहा कि किसी भी बड़े विकास कार्य की वास्तविक गुणवत्ता उसके उपयोग के बाद ही पता चलती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि मकान बनने के बाद भी समय-समय पर कमियां सामने आती हैं, जिन्हें दूर किया जाता है। सांसद ने आश्वस्त किया कि यदि एक्सप्रेसवे निर्माण में कोई कमी पाई गई है, तो उसकी जांच की जाएगी और जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने यह भी कहा कि जहां मरम्मत की आवश्यकता होगी, वहां सुधार कार्य कराया जाएगा। विपक्ष के आरोपों और केंद्रीय गृह मंत्री से संबंधित सवालों पर सांसद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी कभी देश के प्रधानमंत्री नहीं बन सकते। साक्षी महाराज ने कांग्रेस पर राष्ट्रहित के मुद्दों पर 'गलत राजनीति' करने का आरोप भी लगाया। वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी की तैयारियों पर प्रतिक्रिया देते हुए साक्षी महाराज ने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक बार फिर पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में भाजपा की स्थिति मजबूत है और जनता का विश्वास पार्टी के साथ बना हुआ है।

राम मंदिर चंदा चोरी प्रदर्शन पर बढ़ा विवाद राहुल गांधी समेत 3 सांसदों पर वाराणसी में केस

प्रदर्शन में अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद समेत विपक्ष के कुछ अन्य सांसद भी शामिल हुए। सांकेतिक प्रदर्शन के दौरान पप्पू यादव के साथ मारपीट किए जाने का दृश्य भी दिखाया गया। विपक्ष की ओर से इस प्रदर्शन के जरिए राम मंदिर से जुड़े चंदे के कथित दुरुपयोग का मुद्दा उठाते हुए सरकार से जवाबदेही की मांग की गई थी।

संसद भवन परिसर में राम मंदिर चंदा चोरी के मुद्दे पर विपक्षी सांसदों की ओर से किए गए सांकेतिक प्रदर्शन को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान धार्मिक प्रतीकों के इस्तेमाल को लेकर सत्ता पक्ष की ओर से सवाल उठाए जाने के बाद अब काशी के संत समाज ने भी कड़ी नाराजगी जताई है। वाराणसी के कोतवाली थाने में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव और अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है।यह शिकायत पातालपुरी मठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु बालक दास की ओर से दी गई। संत समाज का आरोप है कि संसद परिसर में राम मंदिर से जुड़े चंदे के कथित विवाद को लेकर जिस तरह का प्रदर्शन किया गया, उससे भगवान राम, संत समाज और धार्मिक भावनाओं का अपमान हुआ है। जगद्गुरु बालक दास के मुताबिक, मामले को लेकर उन्होंने डीसीपी काशी गौरव बंसवाल से मुलाकात की थी और प्रदर्शन में शामिल नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद पुलिस को लिखित तहरीर सौंपी गई।दरअसल, शुक्रवार को संसद भवन परिसर में विपक्षी सांसदों ने केंद्र सरकार को कई मुद्दों पर घेरने के लिए सांकेतिक प्रदर्शन किया था। इसी दौरान पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव पुजारी के वेश में नजर आए। उनके हाथ में एक दान पेटी थी, जिसके जरिए राम मंदिर से जुड़े चंदे के मुद्दे को प्रतीकात्मक रूप से उठाया गया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दान पेटी में सांकेतिक तौर पर चंदा डाला। इसके बाद कथित चंदा चोरी पकड़े जाने का नाटकीय दृश्य प्रस्तुत किया गया।प्रदर्शन में अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद समेत विपक्ष के कुछ अन्य सांसद भी शामिल हुए। सांकेतिक प्रदर्शन के दौरान पप्पू यादव के साथ मारपीट किए जाने का दृश्य भी दिखाया गया। विपक्ष की ओर से इस प्रदर्शन के जरिए राम मंदिर से जुड़े चंदे के कथित दुरुपयोग का मुद्दा उठाते हुए सरकार से जवाबदेही की मांग की गई थी।हालांकि, प्रदर्शन का यह तरीका अब विपक्ष के लिए राजनीतिक और कानूनी विवाद का कारण बन गया है। सत्ता पक्ष ने विपक्ष पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया है। वहीं, काशी के संत समाज ने भी इसे गंभीर मामला बताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की।जगद्गुरु बालक दास ने आरोप लगाया कि संसद जैसे संवैधानिक परिसर में भगवान राम और मंदिर से जुड़े प्रतीकों का इस तरह राजनीतिक प्रदर्शन में इस्तेमाल करना करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत करने वाला है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है और इससे जुड़े विषय पर प्रदर्शन करते समय धार्मिक संवेदनशीलता का ध्यान रखा जाना चाहिए।अब वाराणसी पुलिस द्वारा मामला दर्ज किए जाने के बाद इस विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। आने वाले दिनों में जांच और संभावित कानूनी कार्रवाई के साथ यह मुद्दा राजनीतिक बहस का बड़ा केंद्र बन सकता है।

अब वाराणसी पुलिस द्वारा मामला दर्ज किए जाने के बाद इस विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। आने वाले दिनों में जांच और संभावित कानूनी कार्रवाई के साथ यह मुद्दा राजनीतिक बहस का बड़ा केंद्र बन सकता है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय हरदोई पहुंचे,चढ़ावा चोरी को लेकर हमला बोला

हरदोई पहुंचे अजय राय ने कहा कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी की चर्चा गांव से लेकर सांसद तक हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस इस मुद्दे से लोगों का ध्यान हटाने के लिए अन्य विषयों को उछाल रहे हैं और राजनीतिक विरोधियों पर मुकदमे दर्ज कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता अब इन मामलों को समझ चुकी है और वास्तविक मुद्दों पर जवाब चाहती है। बता दें कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पिछले दिनों सड़क दुर्घटना में घायल हुए कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विक्रम पांडे का हाल लेने हरदोई पहुंचे थे। अजय राय ने उनका कुशलक्षेम जाना और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना गांव से लेकर संसद तक गूंज रही है। उन्होंने हाल के दिनों में बच्चों और छात्र-छात्राओं से जुड़े विवादों का भी जिक्र किया। अजय राय ने कहा कि एक ओर सरकार सहानुभूति जताने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर उन्हीं मामलों में मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। उन्होंने अभिनेत्री एवं सांसद कंगना रनौत की कथित टिप्पणियों को लेकर कहा कि यदि सरकार नैतिकता की बात करती है तो ऐसे मामलों पर भी समान रूप से कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर अपने संगठन को मजबूत करने के अभियान में जुटी है। उन्होंने कहा कि संगठन निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है, कांग्रेस सभी विधानसभा क्षेत्रों में अपनी स्थिति मजबूत करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जब संगठन मजबूत होगा तभी पार्टी भविष्य की राजनीतिक रणनीति को प्रभावी ढंग से लागू कर सकेगी।

ऑनर किलिंग का बेहद दिल दहला देने वाला मामला

उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले से ऑनर किलिंग का एक बेहद खौफनाक और दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र के बजेहरा गांव में 1 जुलाई की सुबह पारिवारिक विवाद और गुस्से में आकर एक भाई ने अपनी ही मासूम बहन पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बहन अपनी जान बचाने के लिए बदहवास होकर भागी, लेकिन सिरफिरे आरोपी भाई ने उसे दौड़ाकर घर के बाहर ही बेदर्दी से मौत के घाट उतार दिया। इस खौफनाक और सनसनीखेज वारदात के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और हड़कंप मच गया है। मृतका की पहचान सुमिरता के रूप में हुई है, जो राजाराम यादव की पुत्री थी। सुमिरता का नौवनबाग इलाके के रहने वाले अनुराग नाम के युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसी प्रेम प्रसंग के चलते सुमिरता कुछ समय पहले अनुराग के साथ घर से भाग गई थी। इस घटना के बाद परिजनों ने थाने में मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए 23 जुलाई को सुमिरता को बरामद किया और कोर्ट में पेश किया। इसके बाद अदालत के आदेश पर सुमिरता को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया था। घर वापस आने के बाद भी परिवार में नाराजगी बनी हुई थी। शनिवार सुबह किसी बात को लेकर भाई कोमल और सुमिरता के बीच तीखी बहस हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि कोमल गुस्से में आकर अपनी बहन को मारने के लिए झपटा। अपनी जान बचाने के लिए सुमिरता कमरे से निकलकर बाहर भागी, लेकिन सिरफिरे भाई ने उसे दौड़ा दिया और घर के बाहर ही बांके से उसकी गर्दन काटकर हत्या कर दी।

उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान यानी विजिलेंस ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान यानी विजिलेंस ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) के एक जूनियर इंजीनियर, एक सुपरवाइजर और एक निजी व्यक्ति को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह तीनों एक निर्माण कार्य के एवज में शिकायतकर्ता से 7.50 लाख रुपये की घूस ले रहे थे। शिकायत मिलने के बाद विजिलेंस ने गोपनीय जांच कर जाल बिछाया और आरोपियों को पकड़ लिया। विजिलेंस के अनुसार शिकायतकर्ता ने बताया था कि एलडीए के जूनियर इंजीनियर दिनेश कुमार वर्मा उसके निर्माणाधीन स्थल पर पहुंचे थे और काम रुकवाने की धमकी दी थी। जेई ने कहा था कि इस निर्माण को लेकर आईजीआरएस पर शिकायत दर्ज हुई है। इसके बाद शिकायतकर्ता को बताया गया कि अगर वह इस मामले को रफा-दफा करना चाहता है तो उसे श्रवण कुमार नाम के एक निजी व्यक्ति से मिलना होगा। शिकायतकर्ता के मुताबिक श्रवण कुमार ने उसे राम मनोहर लोहिया अस्पताल के गेट पर बुलाया। वहां उसने बताया कि जेई से बात हो गई है और मामले को दबाने के लिए 15 लाख रुपये देने होंगे। इसके बाद शिकायतकर्ता को एलडीए कार्यालय बुलाया गया जहां उसकी मुलाकात जेई दिनेश कुमार वर्मा और सुपरवाइजर चंद्र प्रकाश से हुई। यहां भी अधिकारियों ने 15 लाख रुपये की मांग दोहराई और रिश्वत देने का दबाव बनाया। शिकायतकर्ता ने एक साथ इतनी बड़ी रकम देने में असमर्थता जताई जिसके बाद साढ़े सात लाख रुपये की 2 किस्तों में सौदा तय हुआ। शिकायतकर्ता घूस नहीं देना चाहता था इसलिए उसने सीधे विजिलेंस से संपर्क किया। विजिलेंस ने मामले की गोपनीय जांच की जिसमें आरोप सही पाए गए। इसके बाद टीम ने जाल बिछाया और जेई दिनेश कुमार वर्मा सुपरवाइजर चंद्र प्रकाश और श्रवण कुमार को 7.50 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।